



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 234]

No. 234]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 22, 2007/ज्येष्ठ 1, 1929

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 22, 2007/JYAISTHA 1, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 23/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 369(अ).—वित्त अधिनियम, 2007 (2007 का 22) की धारा 135 के उपवाक्य (क) और उपवाक्य (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा 1 जून, 2007 की तारीख को वह तारीख निर्धारित करती है जिस दिन से वित्त अधिनियम, 2007 (2007 का 22) की धारा 135 के उक्त उपवाक्यों के प्रावधान लागू होंगे।

[फा. सं. बी1/16/2007-टीआरयू]

जी. जी. पाई, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 23/2007-Service Tax

G.S.R. 369(E).—In exercise of the powers conferred by clause (A) and clause (B) of Section 135 of the Finance Act, 2007 (22 of 2007), the Central Government hereby appoints the 1st day of June, 2007, as the date on which the provisions of the said clauses of Section 135 of the Finance Act, 2007 (22 of 2007) shall come into force.

[F. No. B1/16/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 24/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 370(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) (इसके पश्चात् वित्त अधिनियम के रूप में उल्लिखित) की धारा 93 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार के इस बात से संतुष्ट होने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा वित्त अधिनियम की धारा 65 के खण्ड (105) के उपखंड (य य य य) में संदर्भित अचल संपत्ति के किराये पर देने की कराधेय सेवा को, उस पर उद्ग्रहणीय अधिक सेवाकर जो मूल्य पर संगणित सेवाकर से इतना अधिक है, जो ऐसी संपत्ति पर करें अर्थात् स्थानीय निकायों द्वारा उद्ग्रहणीय और संगृहीत संपत्ति कर को घटाने पर ऐसी अचल संपत्ति के किराये के लिए प्रभारित सकल राशि के बराबर है, को छूट प्रदान करती है:

बशर्ते कि कोई राशि जैसे सेवा प्रदाता द्वारा संपत्ति कर के बिलबित भुगतान के कारण अथवा अन्य किसी कारण से संदत्त ब्याज अथवा जुर्माने को प्रभारित सकल राशि से कटौती के प्रयोजनार्थ संपत्ति कर के रूप में नहीं माना जायेगा;

इसके अलावा यह भी कि जब कभी वह अवधि जिसके लिए संपत्ति कर संदत्त किया गया है, वह उस अवधि से भिन्न है जिसके लिए सेवाकर संदत्त किया गया है, संदत्त सेवाकर की अवधि के लिए संपत्ति कर का अनुपात संगणित किया जायेगा और ऐसी संगणित राशि को सेवाकर के उद्ग्रहण के प्रयोजनार्थ उक्त अवधि के लिए अचल संपत्ति के कराये की प्रभारित सकल राशि में शामिल नहीं किया जायेगा।

उदाहरण:	अप्रैल से सितम्बर तक संदत्त संपत्ति कर	= 12,000/-रु.
	अप्रैल के लिए प्राप्त किराया	= 1,00,000/-रु.
	अप्रैल के लिए सेवा कर	= 98,000/-रु. (1,00,000-2000) * सेवा कर की लागू दर

2. यह अधिसूचना 1 जून, 2007 से लागू होगी।

[फा. सं. बी1/5/2007-टीआरयू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 24/2007-Service Tax

G.S.R. 370(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the Finance Act), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service of renting of immovable property, referred to in sub-clause (zzzz) of clause (105) of section 65 of the Finance Act, from so much of the service tax leviable thereon as is in excess of the service tax calculated on a value which is equivalent to the gross amount charged for renting of such immovable property less taxes on such property, namely property tax levied and collected by local bodies:

Provided that any amount such as interest, penalty paid to the local authority by the service provider on account of delayed payment of property tax or any other reasons shall not be treated as property tax for the purposes of deduction from the gross amount charged:

Provided further that wherever the period for which property tax paid is different from the period for which service tax is paid, property tax proportionate to the period for which service tax is paid shall be calculated and the amount so calculated shall be excluded from the gross amount charged for renting of the immovable property for the said period, for the purposes of levy of service tax.

Example:

Property tax paid for April to September = Rs. 12,000/-

Rent received for April = Rs. 1,00,000/-

Service tax payable for April = Rs. 98,000/- (1,00,000-2,000) * applicable rate of service tax

2. This notification shall come into force on the 1st day of June, 2007.

[F. No. B1/5/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 25/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 371(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) (इसके पश्चात् वित्त अधिनियम के रूप में उल्लिखित) की धारा 93 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार के इस बात से संतुष्ट होने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा वित्त अधिनियम की धारा 65 के खण्ड (105) के उपखंड (य य थ) में संदर्भित वाणिज्यिक अथवा औद्योगिक निर्माण सेवा और वित्त अधिनियम की धारा 65 के खंड (105) के उपखंड (य य य य क) में संदर्भित कार्य संविदा के निष्पादन के संबंध में प्रदान की गई सेवाओं को जो किसी व्यक्ति के अन्य किसी व्यक्ति द्वारा किसी पत्तन अथवा अन्य पत्तन के निर्माण के संबंध में प्रदान की गई हो, को वित्त अधिनियम की धारा 66 के अंतर्गत उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सेवा कर से छूट प्रदान करती हैं।

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ एतद्वारा यह घोषणा की जाती है कि—

- (i) कार्य संविदा के निष्पादन दके संबंध में प्रदान की गई वाणिज्यिक अथवा औद्योगिक निर्माण सेवा अथवा सेवाओं को मौजूदा पत्तन अथवा अन्य पत्तन के संबंध में प्रदान की पूर्ण और तैयार करने, मरम्मत, परिवर्तन, पुनरुद्धार, बहाली, अनुस्क्षण अथवा मरम्मत को शामिल नहीं किया जायेगा; और
- (ii) 'पत्तन' और 'अन्य पत्तन' का आशय वित्त अधिनियम की धारा 65 के खंड (81) और (76) में क्रमशः नियत उनके लिए आशय से है।

2. यह अधिसूचना 1 जून, 2007 से लागू होगी।

[फा. सं. बी1/5/2007-टीआरयू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 25/2007-Service Tax

G.S.R. 371(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the Finance Act), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts commercial or industrial construction service, referred to in sub-clause (zzq) of clause (105) of section 65 of the Finance Act, and services provided in relation to the execution of works contract, referred to in sub-clause (zzzza) of clause (105) of section 65 of the Finance Act, provided to any person by any other person in relation to construction of port or other port, from the whole of the service tax leviable thereon under section 66 of the Finance Act.

Explanation.—For the purposes of this notification, it is hereby declared that,—

- (i) commercial or industrial construction service or services provided in relation to the execution of works contract in relation to construction of port or other port shall not include services of completion and finishing, repair, alteration, renovation, restoration, maintenance or repair provided in relation to existing port or other port; and
 - (ii) “port” and “other port” have the meanings respectively assigned to them in clauses (81) and (76) of section 65 of the Finance Act.
2. This notification shall come into force on the 1st day of June, 2007.

[F. No. B1/5/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 26/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 372(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) (इसके पश्चात् वित्त अधिनियम के रूप में उल्लिखित) की धारा 93 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार के इस बात से संतुष्ट होने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा सा.का.नि.सं.358(अ), दिनांक 7 जून, 2005 के तहत भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 7 जून, 2005 की अधिसूचना सं. 16/2005-सेवा कर को, ऐसे रद्द करने से पहले किये गये अथवा विलोपित की जाने वाली बातों को छोड़कर रद्द करती है।

2. यह अधिसूचना 1 जून, 2007 से लागू होगी।

[फा. सं. बी1/5/2007-टीआरयू]

जी. जी. पाई, अवर सचिव

टिप्पणी :- मूल अधिसूचना सं. 16/2005-सेवा कर, दिनांक 7 जून, 2005 के सा.का.नि.सं. 358(अ) दिनांक 7 जून, 2005 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की गई थी और अंतिम बार सा.का.नि. 249(अ), दिनांक 25 अप्रैल, 2006 के तहत दिनांक 25 अप्रैल, 2006 की अधिसूचना सं. 19/2006-सेवाकर द्वारा संशोधित की गई थी।

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 26/2007-Service Tax

G.S.R. 372(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the Finance Act), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the notification of the Government of India in Ministry of Finance (Department of Revenue), No.16/2005-Service Tax, dated the 7th June, 2005, published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 358(E), dated the 7th June, 2005, except as respects things done or omitted to be done before such rescission.

2. This notification shall come into force with effect from the 1st day of June, 2007.

[F. No. B1/5/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

Note :—The principal notification No.16/2005-Service Tax, dated the 7th June, 2005 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 358(E), dated the 7th June, 2005 and was last amended vide notification No.19/2006-Service Tax, dated the 25th April, 2006 vide number G.S.R. 249(E), dated the 25th April, 2006.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 27/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 373(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 68 की उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 31 दिसम्बर, 2004 की अधिसूचना सं. 36/2004-सेवाकर जो सा.का.नि. 849 (अ), दिनांक 31 दिसम्बर, 2004 के तहत भारत के राजपत्र प्रकाशित हुई थी, में निम्नलिखित रूप से और आगे संशोधन करती है, यथा:-

उक्त अधिसूचना के पैरा (क), पैरा (झ) में

'एक टेलीफोन कनेक्शन या पेजर या टेलीग्राफ या टेलेक्स या फैक्स या लीड सर्किट के द्वारा संचार' शब्दों के स्थान पर 'दूर संचार सेवा' शब्द अंतः स्थापित किये जायेंगे।

2. यह अधिसूचना 1 जून, 2007 से लागू होगी।

[फा. सं. बी1/16/2007-टीआरयू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

टिप्पणी :- प्रधान अधिसूचना सं. 36/2004-सेवाकर, दिनांक 31 दिसम्बर, 2004 सा.का.नि. 849(अ) दिनांक 31 दिसम्बर, 2004 के तहत भारत के राजपत्र प्रकाशित की गई थी और उसमें अंतिम बार अधिसूचना सं. 3/2007-सेवाकर दिनांक 1 मार्च, 2007 के द्वारा संशोधन किया गया था, देखें सा.का.नि.157(अ) दिनांक 1 मार्च, 2007।

2500 9707-2

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 27/2007-Service Tax

G.S.R. 373(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 68 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 36/2004-Service Tax, dated the 31st December, 2004, which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 849(E), dated the 31st December, 2004, namely:-

In the said notification, in paragraph (A), in sub-paragraph (i), for the words "a telephone connection or pager or a communication through telegraph or telex or a facsimile communication or a leased circuit", the words "telecommunication service" shall be substituted.

2. This notification shall come into force on the 1st day of June, 2007.

[F. No. B1/16/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

Note :—The principal notification No. 36/2004-Service Tax, dated the 31st December, 2004 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 849(E), dated the 31st December, 2004 and was last amended by notification No. 3/2007-Service Tax, dated the 1st March, 2007 vide number G.S.R. 157(E), dated the 1st March, 2007.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 28/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 374(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधाराएं (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा सेवाकर नियमावली, 1994 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात:-

1. (1) इन नियमों सेवाकर (चौथा संशोधन) नियमावली, 2007 कहा जाये।
(2) ये दिनांक 1 जून, 2007 से प्रवृत्त होंगे।
2. सेवाकर नियमावली, 1994 (इसके पश्चात उक्त नियमावली के रूप में उल्लिखित) में, नियम 2 में, उप नियम (1) में, खंड (घ) में, उपखंड (i) में "टेलीग्राफ अथवा टेलेक्स अथवा किसी फैंक्समाइल कम्यूनिकेशन अथवा किसी लिज्ड सर्किट के माध्यम से टेलीफोन कनेक्शन अथवा पेजर अथवा कोई कम्यूनिकेशन" शब्दों के स्थान पर "कम्यूनिकेशन सर्विस" शब्द प्रति स्थापित किये जायेंगे।
3. उक्त नियमावली में, नियम 6 में, उपनियम (4ख) के पश्चात, निम्नलिखित उप नियम जोड़ा जायेगा, अर्थात:-

"4ग. उपनियम (4), (4क) और (4ख) में किसी बात के होते हुए भी जहां व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 65 के खंड (105) के उपखंड (य य य य) में संदर्भित अचल संपत्ति को किराये पर देने के संबंध में प्रदान की गई अथवा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में सेवाकर के भुगतान के लिए उत्तरदायी है, ने किसी माह अथवा तिमाही जैसा भी मामला हो, के लिए सेवाकर देयता के लिए संदत्त की जाने वाली अपेक्षित राशि में से अधिक राशि को दिनांक 22 मई, 2007 की अधिसूचना सं. 24/2007-सेवाकर के संदर्भ में सेवाकर के भुगतान के समय उक्त अवधि के लिए अचल संपत्ति को किराये पर देने के लिए प्रभारित सकल राशि के संदत्त संपत्ति कर की काटौती का

लाम न उठाने के कारण केन्द्र सरकार के क्रेडिट में संदत्त कर दिया है, तो निर्धारिती ऐसे संपत्ति कर के भुगतान की तारीख से एक वर्ष के भीतर संदत्त ऐसी अधिक राशि का क्रेडिट लेते हुए उनके द्वारा संदत्त ऐसी अधिक राशि से समायोजन करा सकता है। ऐसे समायोजन के ब्यौरा के बारे में ऐसे समायोजन की तारीख से पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को सूचित किया जायेगा।"

[फा. सं. बी1/5/2007-टीआरयू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

टिप्पणी :—मूल नियम दिनांक 28 जून, 1994 की अधिसूचना सं. 2/94-सेवाकर के तहत अधिसूचित किये गये थे और सा.का.नि.सं. 546 (अ) दिनांक 28 जून, 1994 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किये गये थे और अंतिम बार सा.का.नि. 349(अ), दिनांक 12 मई, 2007 के तहत दिनांक 12 मई, की अधिसूचना सं. 20/2007-सेवाकर द्वारा संशोधित किये गये थे।

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 28/2007-Service Tax

G.S.R. 374(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax Rules, 1994, namely :—

1. (1) These rules may be called the Service Tax (Fourth Amendment) Rules, 2007.
(2) They shall come into force on the 1st day of June, 2007.
2. In the Service Tax Rules, 1994 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2, in sub-rule (1), in clause (d), in sub-clause (i), for the words "a telephone connection or pager or a communication through telegraph or telex or a facsimile communication or a leased circuit", the words "telecommunication service" shall be substituted.
3. In the said rules, in rule 6, after sub-rule (4B), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

"4C. Notwithstanding anything contained in sub-rules (4), (4A) and (4B), where the person liable to pay service tax in respect of services provided or to be provided in relation to renting of immovable property, referred to in sub-clause (zzzz) of clause (105) of section 65 of the Act, has paid to the credit of Central Government any amount in excess of the amount required to be paid towards service tax liability for a month or quarter, as the case may be, on account of non-availment of deduction of property tax paid in terms of notification No.24/2007-Service Tax, dated the 22nd May, 2007, from the gross amount charged for renting of the immovable property for the said period at the time of payment of service tax, the assessee may adjust such excess amount paid by him against his service tax liability within one year from the date of payment of such property tax. The details of such adjustment shall be intimated to the Superintendent of Central Excise having jurisdiction over the service provider within a period of fifteen days from the date of such adjustment."

[F. No. B1/5/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

Note :—The principal rules were notified vide notification no. 2/94-Service Tax, dated the 28th June 1994 and published in the Gazette of India, Extraordinary vide number G.S.R.546 (E), dated the 28th June 1994 and were last amended vide notification No. 20/2007-Service Tax, dated the 12th May, 2007 vide G.S.R. 349(E), dated the 12th May, 2007.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 29/2007-सेवाकर

सा.का.मि. 375(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (2) के खंड (क क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा सेवा कर (मूल्य निर्धारण) नियमावली, 2006 को संशोधित करने के लिए पुनः निम्नलिखित नियमावली बनाती है, अर्थातः—

1. (1) इन नियमों को सेवा कर (मूल्य निर्धारण) (संशोधन) नियमावली, 2007 कहा जा सकता है।
(2) ये जून, 2007 के प्रथम दिन से प्रवृत्त होंगे,—
2. सेवा कर (मूल्य निर्धारण) नियमावली, 2006 में नियम-2 के बाद निम्नलिखित नियम जोड़ा जाएगा, अर्थातः—

“2क कार्य संविदा के निष्पादन में शामिल सेवाओं का मूल्य निर्धारण:

- (1) धारा 67 के प्रावधानों के अंतर्गत अधिनियम की धारा 65 के खंड (105) के उपखंड (य य य यक) में उल्लिखित कार्य संविदा (एतदपश्चात् कार्य संविदा सेवा के रूप में उल्लिखित) के निष्पादन में शामिल सेवाओं के संबंध में कराधेय सेवा कर मूल्य निम्नलिखित तरीके से सेवा प्रदाता द्वारा निर्धारित किया जाएगा:—

(i) कार्य संविदा सेवा का मूल्य उक्त कार्य संविदा के निष्पादन में शामिल माल में सम्पत्ति के अंतरण के मूल्य को घटाकर कार्य संविदा के लिए ली गई कुल राशि के समतुल्य होगा।

व्याख्या: इस नियम के उद्देश्य के लिए—

(क) कार्य संविदा के लिए ली जाने वाली कुल राशि में उक्त कार्य संविदा के निष्पादन में शामिल माल में सम्पत्ति के अंतरण पर भुगतान किया गया मूल्य वर्द्धित कर अथवा बिक्री कर, जैसा मामला हो, शामिल नहीं होगा।

(ख) कार्य संविदा सेवा के मूल्य में निम्नलिखित शामिल होंगे,—

- (i) कार्य के सम्पादन के लिए मजदूरी;
- (ii) श्रम और सेवाओं के लिए उप ठेकेदार को भुगतान की गई राशि;
- (iii) आयोजना, डिजाइनिंग और वस्तुकार का शुल्क प्रभार;
- (iv) कार्य संविदा के निष्पादन के लिए प्रयुक्त मशीनरी और औजारों को किराए पर लेने अथवा अन्यथा प्राप्त करने के लिए प्रभार;
- (v) कार्य संविदा के निष्पादन में प्रयुक्त जल, विद्युत, इंधन जैसे उपभोग्य चीजों की लागत;
- (vi) श्रम और सेवाओं की आपूर्ति से जुड़ी ठेकेदार की स्थापना लागत;

- (vii) श्रम और सेवाओं की आपूर्ति से जुड़े ऐसे ही अन्य खर्च ; और
- (viii) श्रम और सेवाओं की आपूर्ति से जुड़े सेवा प्रदाता द्वारा अर्जित लाभ

(ii) जहाँ कार्य संविदा के निष्पादन में शामिल माल में सम्पत्ति के अंतरण पर मूल्य वर्द्धित कर अथवा बिक्री कर, यथास्थिति, भुगतान किया गया है, तब यह मूल्य उक्त कार्य संविदा के निष्पादन में शामिल माल में सम्पत्ति के अंतरण का मूल्य खंड (i) के अंतर्गत कार्य संविदा का मूल्यांकन करने के लिए लिया जायेगा।

[फा. सं. बी1/7/2007-टीआरयू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

टिप्पणी :—मूल नियमावली भारत के राजपत्र, असाधारण में अधिसूचना सं. 12/2006-सेवाकर, दिनांक 19 अप्रैल, 2006 के द्वारा सा.का.नि. 228 (अ), दिनांक 19 अप्रैल, 2006 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 24/2006-सेवा कर, दिनांक 27 जून, 2006 के द्वारा सा.का.नि. 383 (अ), दिनांक 27 जून, 2006 के जरिए किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 29/2007-Service Tax

G.S.R. 375(E).—In exercise of the powers conferred by clause (aa) of sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax (Determination of Value) Rules, 2006, namely:-

1. (1) These rules may be called the Service Tax (Determination of Value) (Amendment) Rules, 2007.
(2) They shall come into force with effect from the 1st day of June, 2007.

2. In the Service Tax (Determination of Value) Rules, 2006, after rule 2, the following rule shall be inserted, namely:-

“2A. Determination of value of services involved in the execution of a works contract:

(1) Subject to the provisions of section 67, the value of taxable service in relation to services involved in the execution of a works contract (hereinafter referred to as works contract service), referred to in sub-clause (zzzza) of clause (105) of section 65 of the Act, shall be determined by the service provider in the following manner:-

- (i) Value of works contract service determined shall be equivalent to the gross amount charged for the works contract less the value of transfer of property in goods involved in the execution of the said works contract.

Explanation.- For the purposes of this rule,-

(a) gross amount charged for the works contract shall not include Value Added Tax (VAT) or sales tax, as the case may be, paid, if any, on transfer of property in goods involved in the execution of the said works contract;

(b) value of works contract service shall include,-

- (i) labour charges for execution of the works;

2500 9707-3

- (ii) amount paid to a sub-contractor for labour and services;
- (iii) charges for planning, designing and architect's fees;
- (iv) charges for obtaining on hire or otherwise, machinery and tools used for the execution of the works contract;
- (v) cost of consumables such as water, electricity, fuel, used in the execution of the works contract;
- (vi) cost of establishment of the contractor relatable to supply of labour and services;
- (vii) other similar expenses relatable to supply of labour and services; and
- (viii) profit earned by the service provider relatable to supply of labour and services;

(ii) Where Value Added Tax or sales tax, as the case may be, has been paid on the actual value of transfer of property in goods involved in the execution of the works contract, then such value adopted for the purposes of payment of Value Added Tax or sales tax, as the case may be, shall be taken as the value of transfer of property in goods involved in the execution of the said works contract for determining the value of works contract service under clause (i).

[F. No. B1/7/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

Note :—The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary vide notification No. 12/2006-Service Tax, dated the 19th April, 2006, vide number G.S.R. 228 (E), dated the 19th April, 2006, and were last amended vide notification No. 24/2006-Service Tax, dated the 27th June, 2006, vide number G.S.R. 383(E), dated the 27th June, 2006.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 30/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 376(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 और धारा 94 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा सेवा निर्यात नियमावली, 2005 में और आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है यथा:-

- 1 (1) इन नियमों को सेवा निर्यात (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2007 कहा जायेगा
- (2) ये 1 जून, 2007 से प्रवर्तन में आयेंगे
- 2 सेवा निर्यात नियमावली, 2005 के नियम 3 में -
- (1) उप नियम 1) उपवाक्य (1) में कोष्ठक वर्ण, और शब्द (य य य ज) और (य य य द) के स्थान पर कोष्ठक, वर्ण और शब्द (य य य ज) (य य य द) (य य य म), (य य य य) और (य य य य क) अंतः स्थापित किये जायेंगे।
- (2) उपवाक्य ख के उपनियम (2) में 'भारत के बाहर से प्रदान की जाने वाली शब्द विलुप्त कर दिये जायेंगे।

[फा. सं. बी1/16/2007-टीआरयू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

टिप्पणी :—प्रधान नियमावली अधिसूचना सं. 9/2005-सेवाकर, दिनांक 3 मार्च, 2005 सा.का.नि. 151(अ) दिनांक 3 मार्च, 2005 के तहत प्रकाशित की गई थी और उसमें अंतिम बार अधिसूचना सं. 2/2007-सेवाकर के द्वारा संशोधन किया गया था, देखें सा.का.नि. 156(अ) दिनांक 1 मार्च, 2007।

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 30/2007-Service Tax

G.S.R. 376(E).—In exercise of the powers conferred by sections 93 and 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Services Rules, 2005, namely :-

1. (1) These rules may be called the Export of Services (Second Amendment) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the 1st day of June, 2007.

2. In the Export of Services Rules, 2005, in rule 3,-

(i) in sub-rule (1), in clause (i), for the brackets, letters and word “(zzzh) and (zzzr)”, the brackets, letters and word “(zzzh), (zzzr), (zzzy), (zzzz) and (zzzza)” shall be substituted;

(ii) in sub-rule (2), in clause (b), the words “provided outside India” shall be omitted.

[F. No. B1/16/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

Note :—The principal rules were notified vide notification no. 9/2005-Service Tax, dated the 3rd March 2005 and published in the Gazette of India, Extraordinary vide number G.S.R. 151(E), dated the 3rd March 2005 and were last amended vide notification No. 2/2007-Service Tax, dated the 1st March, 2007 vide number G.S.R. 156(E), dated the 1st March, 2007.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 31/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 377(अ).—वित्त अधिनियम, 1994(1994 का 32) की धारा 66क के साथ पठित धारा 93 और 94 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा सेवा (भारत के बाहर से प्रदान की जाने वाली और भारत में प्राप्त की जाने वाली) कर नियमावली, 2006 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है यथा:-

1. (1) इन नियमों को सेवा (भारत के बाहर से प्रदान की जाने वाली और भारत में प्राप्त की जाने वाली) कर (संशोधन) नियमावली, 2007 कहा जाएगा।

(2) ये 1 जून, 2007 से लागू होंगे।

2. सेवा (भारत के बाहर से प्रदान की जाने वाली और भारत में प्राप्त की जाने वाली) कर नियमावली, 2006 के नियम 3, उपवाक्य (I) में कोष्ठक, वर्ण और शब्द (यययज) और (यययद) के स्थान पर कोष्ठक वर्ण और शब्द “(ययज), (यययद), (यययम) (यययय) और (ययययक)” शब्द अंतःस्थापित किये जाएंगे।

[फा. सं. बी1/16/2007-टीआरयू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

टिप्पणी :—प्रधान नियमावली अधिसूचना सं. 11/2006 सेवाकर, दिनांक 19 अप्रैल, 2006 के तहत अधिसूचित की गई थी और इसको सा.का.नि. 227 (अ) दिनांक 19 अप्रैल, 2007 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 31/2007-Service Tax

G.S.R. 377(E).—In exercise of the powers conferred by sections 93 and 94, read with section 66A of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Taxation of Services (Provided from Outside India and Received in India) Rules, 2006, namely :—

1. (1) These rules may be called the Taxation of Services (Provided from Outside India and Received in India) (Amendment) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the 1st day of June, 2007.

2. In the Taxation of Services (Provided from Outside India and Received in India) Rules, 2006, in rule 3, in clause (i), for the brackets, letters and word “(zzzh) and (zzzt)”, the brackets, letters and word “(zzzh), (zzzt), (zzzy), (zzzz) and (zzzza)” shall be substituted.

[F. No. B1/16/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.

Note :—The principal rules were notified vide notification no. 11/2006-Service Tax, dated the 19th April, 2006 and published in the Gazette of India, Extraordinary vide number G.S.R. 227(E), dated the 19th April, 2006.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2007

सं. 32/2007-सेवाकर

सा.का.नि. 378(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (2) के खंड (कक) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा सेवा कर (मूल्य निर्धारण) नियमावली, 2006 में पुनः संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाती है, अर्थात्:—

1. लघु शीर्ष और प्रारंभ—(1) इन नियमों को कार्य संविदा (सेवा कर भुगतान के लिए संरचना स्कीम) नियमावली, 2007 कहा जा सकता है।

(2) ये जून, 2007 की पहली तारीख से प्रवृत्त होंगे,—

2. परिभाषाएँ — इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” का अर्थ है वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32);

(ख) “धारा” का अर्थ है अधिनियम की धारा;

(ग) “कार्य संविदा सेवा” का अर्थ है अधिनियम की धारा 65 के खंड (105) के उपखंड (य य य य क) में उल्लिखित कार्य संविदा के निष्पादन के संबंध में प्रदान की गई सेवाएं;

(घ) इन नियमों में प्रयुक्त शब्दों और अभिव्यक्तियों जो परिभाषित नहीं हैं परंतु अधिनियम में परिभाषित हैं के वही अर्थ होंगे जो उन्हें अधिनियम में प्रदान किए गए हैं।

3. (1) अधिनियम की धारा 67 और सेवा कर (मूल्य निर्धारण) नियमावली, 2006 के नियम 2क में चाहे कुछ भी उल्लिखित हो, कार्य संविदा सेवा के संबंध में सेवा कर का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को कार्य संविदा के लिए ली जाने वाली कुल राशि के दो प्रतिशत के समतुल्य राशि का भुगतान करके अधिनियम की धारा

66 में विनिर्दिष्ट दर पर सेवा कर का भुगतान करने की बजाए प्रदान की गई अथवा प्रदान की जाने वाली कार्य संविदा सेवा पर सेवा कर की अपनी देयता का भुगतान करने का विकल्प प्राप्त होगा।
व्याख्या - इस नियम के उद्देश्यों के लिए कार्य संविदा के लिए ली जाने वाली कुल राशि में उक्त कार्य संविदा के निष्पादन में शामिल माल में सम्पत्ति के अंतरण पर भुगतान किया गया मूल्य वर्द्धित कर अथवा बिक्री कर, जैसा मामला हो, शामिल नहीं होगा।

(2) कराधेय सेवा प्रदाता सेनवैट क्रेडिट नियमवली, 2004 के प्रावधानों के अंतर्गत उक्त कार्य संविदा में अथवा उसके संबंध में प्रयुक्त निविष्टियों पर शुल्क का सेनवैट क्रेडिट नहीं लेगा।

(3) कराधेय सेवा प्रदाता जो इन नियमों के अंतर्गत सेवा कर के भुगतान का विकल्प चुनते हैं, कार्य संविदा के संबंध में उक्त कार्य संविदा के संबंध में सेवा कर के भुगतान से पूर्व ऐसा विकल्प देगा और ऐ दिया गया विकल्प सम्पूर्ण कार्य संविदा के लिए लागू होगा और उसे उक्त कार्य संविदा के पूरा होने तक वापस नहीं लिया जा सकेगा।

[फा. सं. बी1/7/2007-टीआरयू]

जी. जी. पई, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2007

No. 32/2007-Service Tax

G.S.R. 378(E).—In exercise of the powers conferred by sections 93 and 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Works Contract (Composition Scheme for Payment of Service Tax) Rules, 2007.
(2) They shall come into force with effect from the 1st day of June, 2007.

2. Definitions.— In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (a) "Act" means the Finance Act, 1994 (32 of 1994);
- (b) "section" means the section of the Act;
- (c) "works contract service" means services provided in relation to the execution of a works contract referred to in sub-clause (zzzza) of clause (105) of section 65 of the Act;
- (d) words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. (1) Notwithstanding anything contained in section 67 of the Act and rule 2A of the Service (Determination of Value) Rules, 2006, the person liable to pay service tax in relation to works contract service shall have the option to discharge his service tax liability on the works contract service provided or to be provided, instead of paying service tax at the rate specified in section 66 of the Act, by paying an amount equivalent to two per cent. of the gross amount charged for the works contract.

Explanation.— For the purposes of this rule, gross amount charged for the works contract shall not include Value Added Tax (VAT) or sales tax, as the case may be, paid on transfer of property in goods involved in the execution of the said works contract.

- (2) The provider of taxable service shall not take CENVAT credit of duties or cess paid on any inputs, used in or in relation to the said works contract, under the provisions of CENVAT Credit Rules, 2004.

2500 9707-4

(3) The provider of taxable service who opts to pay service tax under these rules shall exercise such option in respect of a works contract prior to payment of service tax in respect of the said works contract and the option so exercised shall be applicable for the entire works contract and shall not be withdrawn until the completion of the said works contract.

[F. No. B1/7/2007-TRU]

G. G. PAI, Under Secy.